सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 235 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 4 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हम तीन तरीकों से ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। पहला, चिंतन करके, जो कि सबसे सही तरीका है। दूसरा, अनुकरण करके, जो कि सबसे आसान है और तीसरा अनुभव से, जो कि सबसे कष्टकारी है।
-कन्फ्यूशियस

मिशन 2024 की तैयारी में चंद्रशेखर... 8 | खाबरी के जरिए कांग्रेस ने खेला... 3 | विधवा और तलाकशुदा बेटियों को... 7

जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था पर गृहमंत्री घिरे

डीजी जेल की हत्या पर अमित शाह ने नहीं दिया जवाब !

» माता वैष्णो देवी के दर्शन के बाद राजौरी की सभा में कांग्रेस पर साधा निशाना

» हत्या के बाद से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप, आरोपी को पकड़ा, पूछताछ जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उनके इस दौरे के बीच जम्मू के डीजी जेल हेमंत लोहिया की गला रेतकर कल देर रात हत्या कर दी गई। गृह मंत्री के दौरे में प्रदेश के इतने बड़े पुलिस अधिकारी की हत्या से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने कानून-व्यवस्था में सुधार न होने पर भारत सरकार व गृह मंत्रालय पर नाराजगी जताई है। अमित शाह वापस जाओ के नारे भी लगाए, कहा- पहले यहां आतंक व अपराध का पूरी तरह खात्मा किया जाए।

इससे पहले अमित शाह ने शारदीय नवरात्र की नवमीं पर मां वैष्णो के दरबार में हाजरी देकर जम्मू-कश्मीर के बेहतर हालात के लिए प्रार्थना की। विशेष आरती में शामिल होकर गृहमंत्री जम्मू व कश्मीर में आतंकवाद के पूरी तरह खात्मे, विकास बहाली की कामना के साथ दरबार में नतमस्तक हुए। मां भगवती का आशीर्वाद लेने के बाद गृहमंत्री राजौरी के लिए रवाना हो गए। इस बीच जब उनसे कुछ पत्रकारों ने डीजी जेल की हत्या को लेकर सवाल दागा तो वे बिना जवाब दिए चुपचाप निकल गए। राजौरी में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों को घेरा। कांग्रेस पर तंज कसा कि जिन लोगों ने कश्मीर पर राज किया, खासकर तीन परिवार। शाह बोले, यहां का विकास किसी ने नहीं किया। धारा 370 हटाओंगे तो खून की नदिया बह जाएगी। मगर हमने हटाया। आतंक की घटनाओं पर भी विराम लगाया।

हम मरते हैं तो मरने दो

एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि पुलिस को वारदात की जगह से एक डायरी मिली है। इसमें आरोपी नौकर यासिर अहमद ने शायरियां लिखी हैं। इन शायरियों में उसने अपनी जिंदगी को खत्म करने का संकेत दिया। उसने एक शायरी में लिखा कि हम डूबते हैं, डूबने दो... हम मरते हैं, तो मरने दो पर अब कोई झूठापन मत दिखाओ।

आरोपी यासिर गिरफ्तार गला काटकर बॉडी जलाने का भी किया था प्रयास

जम्मू कश्मीर पुलिस ने डीजी जेल हेमंत लोहिया की हत्या के आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर लिया है। डीजी जेल का शव जम्मू के उदयवाला में उनके दोस्त के घर पर मिला था। उनकी गला रेतकर हत्या की गई थी, उनके शरीर पर चोट और जलने के निशान भी मिले थे। पुलिस के मुताबिक नौकर हत्या को अंजाम देकर फरार हो गया था। उसने हेमंत लोहिया के शव को जलाने की कोशिश भी की थी। आरोपी खेतों में छिपा था। सर्च ऑप्रेशन चलाने के बाद उसे पकड़ लिया गया। वहीं जम्मू एडीजीपी मुकेश सिंह के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया है कि नौकर यासिर अहमद ही मुख्य आरोपी है। वह अवसाद में भी था। पिछले छह महीने से उनके घर पर काम कर रहा था। हालांकि टेरर लिंक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

शिवसेना सांसद संजय राउत अभी जेल में ही रहेंगे

» 65 दिन बाद भी राहत नहीं 10 तक बढ़ी हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पात्रा चॉल मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को राहत नहीं मिलती दिख रही है। आज फिर उनकी हिरासत को 10 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। अब उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी। ऐसे में दशहरे पर भी राउत जेल में ही रहेंगे। उन पर घोटाले में बिल्डर से घूस लेने का आरोप है।

एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के पात्रा चॉल जमीन घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। इससे पहले प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट स्पेशल कोर्ट में 19 सितंबर को इस

मामले की सुनवाई हुई थी। उस दौरान 14 दिनों के लिए शिवसेना के वरिष्ठ नेता की हिरासत अवधि में विस्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने राउत को एक अगस्त को पात्रा चॉल पुनर्विकास परियोजना में आर्थिक अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार किया था। इससे पहले 28 जून को उन्हें पूछताछ के लिए भी ईडी ने बुलाया था। अगस्त में राउत की पत्नी वर्षा राउत भी जांच एजेंसी के सामने पूछताछ के लिए पेश हो चुकी हैं।

मुलायम सिंह यादव की सेहत में सुधार नहीं !

» गुरुग्राम के मेदांता में हैं भर्ती, दुआओं का दौर जारी, अखिलेश नेताजी के पास है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फेफड़े में समस्या और किडनी में इन्फेक्शन की वजह से गुरुग्राम के मेदांता में एडमिट सपा संरक्षक मुलायम सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना पूरा प्रदेश कर रहा है। वहीं मेदांता के ताजा जारी बुलेटिन के अनुसार मुलायम सिंह यादव सीसीयू से आईसीयू में शिफ्ट हो गए हैं, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं है। उनका इलाज विशेषज्ञों की एक व्यापक टीम द्वारा किया जा रहा है। मुलायम सिंह 24 घंटे डॉक्टरों की टीम की निगरानी में हैं।

उधर मुलायम सिंह यादव के चाहने वाले उनके शीघ्र स्वस्थ लाभ के लिए दुआएं कर रहे हैं। वहीं आज केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल व राज बब्बर ने मेदांता में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और उनसे मुलायम सिंह यादव की तबीयत के बारे में जानकारी ली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी मेदांता पहुंचकर नेताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उधर, नेताजी के बेहतर स्वास्थ के लिए गुवाहटी के कामाख्या माता के मंदिर में समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आकाश लाला ने पूजा-अर्चना की।

दिग्गजों ने की मुलायम के स्वस्थ होने की कामना

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के मेदांता में भर्ती होने के बाद दिग्गज नेताओं ने उनके स्वस्थ होने की कामना की। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य में सुधार को लेकर धार्मिक अनुष्ठान भी किए। लंबे समय से बीमार चल रहे 82 वर्षीय मुलायम का मेदांता में डॉ. नितिन सूद और डॉ. सुशील कटारिया की निगरानी में उपचार चल रहा है। उन्हें जुलाई में भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

राजनीति में न कोई दोस्त है न ही दुश्मन : राजभर

» इन दिनों प्रदेश में सावधान यात्रा निकाल रहे राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को देखते हुए सुहेलदेव समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर इन दिनों प्रदेश में सावधान यात्रा निकाल रहे हैं। इसी कड़ी में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी को 20 साल पूरे होने जा रहा है लेकिन इतना जोश पहले कभी नहीं देखा गया जो इस बार सावधान रथयात्रा को मिल रहा है। राजभर ने कहा कि वो इस यात्रा के दौरान अब तक 17 जिलों में 9 बड़ी सभाएं कर चुके हैं। राजभर ने कहा कि हम बिहार में 2004 से विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ते आ रहे हैं।

पिछले चुनाव में हम सब ने मिलकर एक मोर्चा बनाया, उसमें भी हम शामिल थे। अगर हमारा जनाधार ना होता तो हमसे समझौता क्यों होता। हम वहां चुनाव लड़ते हैं, लेकिन इस समय चर्चा इसलिए अधिक हो रही क्योंकि बीजेपी से छोड़कर नीतीश कुमार आरजेडी के साथ आए हैं। 27 अक्टूबर को पटना में हमारा कार्यक्रम है जिसे लेकर टीम लगी हुई है। अभी 14 अक्टूबर को कटिहार में हम बड़ी सभा करेंगे, लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि अपने हक के लिए लड़े।

हम सावधान यात्रा निकालकर लोगों को सावधान कर रहे हैं कि आंख मूंदकर वोट ना दें, चाहे हम आए या कोई और उनसे सवाल करिए कि आप हमारे लिए क्या करते हैं, सदन में हमारे लिए क्या लड़ते हैं। 2024 के चुनाव लड़ने पर राजभर ने कहा कि देश और प्रदेश की सरकार गठबंधन से बन रही है। जब बीजेपी अकेले सरकार नहीं बना पा रही, कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी नहीं बना पा रही तो हम किस खेत की मूली है। 2024 का चुनाव आएगा तो जो पार्टी के नेताओं का फैसला होगा देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीति में न कोई दोस्त है न दुश्मन। बसपा-सपा में छत्तीस का आंकड़ा था एक हो गए।

हमारा दिल तो जनता के साथ है

राजभर ने कहा कि हमारा दिल तो जनता के साथ है। हाल में हम सीएम योगी से दो मुद्दों को लेकर मिले। भर और राजभर के आरक्षण को लेकर तो उन्होंने सहमति जताई और कहा केंद्र को प्रस्ताव भेज रहे हैं। भू माफिया के नाम पर गरीबों के मकान गिराये जाने पर हमने उनसे बात की थी, उन्होंने बात समझी। जब समय आएगा तब विचार किया जाएगा किसके साथ जाना है। राजभर ने कहा कोई जरूरी है कि सपा या बसपा समझौता ना करें? हमने पूर्वांचल में जो ताकत पैदा की वह बढ़कर पश्चिम में भी पहुंच गई। राजभर ने कहा कि हमारे नेता निकाय चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत से लगे हैं। सावधान रथयात्रा के पीछे निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव दोनों हैं। निकाय चुनाव छोटा चुनाव है, अकेले लड़ेंगे। इसमें समझौता करने पर सीटें कम मिलती हैं तो पार्टी के नेता इधर-उधर भागने लगते हैं।

भाजपा सरकार में ही निषाद समाज का सम्मान : संजय निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फर्रुखाबाद में निषाद पार्टी के कार्यक्रम में आए राष्ट्रीय अध्यक्ष व मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निसाद ने कहा कि भाजपा में निषाद समाज का सम्मान है। उन्होंने अन्य पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल होने का आह्वान किया। शहर के ठंडी सड़क स्थित नवभारत सभा भवन में निषाद पार्टी की ओर से सोमवार को एक कार्यक्रम हुआ।

इसमें शाम को शामिल हुए मंत्री संजय निषाद ने कहां कि जबसे निषाद पार्टी भाजपा के साथ आई, तब से निषाद समाज को तरक्की मिल रही है। उन्होंने समाज के लोगों से भाजपा का सहयोग करने की अपील की। अन्य पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय ऐसा था कि निषाद समाज को मछली पालन का ठेका नहीं मिल पाता था। सिर्फ किसी न किसी चीज का लालच देकर पार्टियां बोट लूटती थी। भाजपा सरकार में ऐसा नहीं है, समाज को पूरा सम्मान व रोजगार मिल रहा है। मछली पालन के लिए अमृत सरोवर का निर्माण कराया जा रहा है। इससे समाज के लोगों की तरक्की होगी। समाज के लोगों को रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पांडिचेरी में हुए एक कार्यक्रम में उनको पॉलिटिकल गार्ड फादर आफ फिशर मैन की उपाधि दी गई थी।

भाजयुमो नेता चौहान समेत पांच आरोपियों की तलाश में पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा में फार्च्यूनर कार बेचने के नाम पर 27.25 लाख रुपये हड़पने की आरोपी भाजयुमो की ब्रज क्षेत्र मंत्री दिव्या चौहान और उनका भाई उपदेश चौहान फरार हो गए हैं। इस मामले में पुलिस ने नाई की सराय स्थित दिव्या चौहान के घर पर दबिश दी। वहां दोनों में से कोई नहीं मिला। आगरा के सूर्य नगर कॉलोनी स्थित एक मकान से कार को बरामद कर लिया गया है। बमरौली कटारा के रेहान खान ने खंदौली थाने में दिव्या चौहान सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आरोप है कि शनिवार को उन्होंने खंदौली के नाई की सराय निवासी भाजयुमो नेता दिव्या चौहान और उसके भाई उपदेश चौहान से फार्च्यूनर कार का

सौदा 30.25 लाख रुपये में किया था। 27.25 लाख रुपये और दो लाख रुपये का चेक दिया। भगवान टॉकीज के पास यह लेनदेन हुआ। बकाया एक लाख रुपये आरटीओ ऑफिस में गाड़ी नाम होने के बाद देने थे। दिव्या चौहान और उनके भाई ने बेची हुई कार से उन्हें घर तक छोड़ने के लिए कहा। घर पर भाई-बहन रुपयों के साथ कार की चाबी भी लेकर चले गए। मांगने पर रिहान और उनके साथियों को पीटा।

मंत्री का सामान है, टोल टैक्स न लिया जाए

» वायरल हो रहा कैबिनेट मंत्री का पत्र, सवालों के घेरे में महिला अफसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूबे की योगी सरकार में महिला एवं विकास कैबिनेट मंत्री व उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य का लकड़ी का सामान सहारनपुर से उनके आगरा आवास पर बिना टोल टैक्स के भेजा गया है। सहारनपुर की जिला कार्यक्रम अधिकारी आशा त्रिपाठी ने यहां से सामान लेकर गए गाड़ी चालक को एक प्रमाणपत्र देकर भेजा है। जिसमें लिखा है- मंत्री का सामान है, जिससे टोल टैक्स न लिया जाए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पत्र चर्चा का विषय बना हुआ है। महिला एवं विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य गत माह सहारनपुर जनपद के दौरे पर आई थीं।

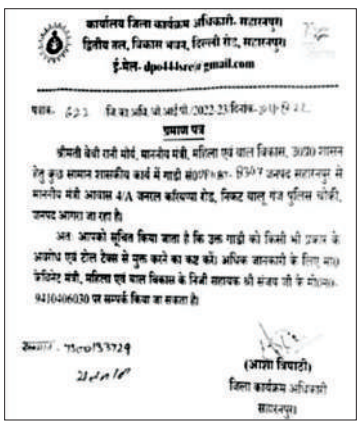

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहारनपुर
द्वितीय तल, विकास भवन, दिल्ली रोड, सहारनपुर
ई.मेल- dpo44hre@gmail.com

पत्रांक- 621 दिनांक जिला कार्यक्रम अधिकारी/2022-23 दिनांक- 30-09-22

प्रमाण पत्र

श्रीमती बेबी रानी मौर्य, माननीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास, उ0प्र0 शासन हेतु कुछ सामान शासकीय कार्य में गाड़ी सं0UP-11-BT-8347 जनपद सहारनपुर से माननीय मंत्री आवास 4/A जनरल करियप्पा रोड, निकट बालू गंज पुलिस चौकी, जनपद आगरा जा रहा है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि उक्त गाड़ी को किसी भी प्रकार के अवरोध एवं टोल टैक्स से मुक्त करने का कष्ट करें। अधिक जानकारी के लिए माननीय कैबिनेट मंत्री, महिला एवं बाल विकास के निजी सहायक श्री संजय जी के मोबाइल 9410406030 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

संख्या- 75/CDPO/3729
21/09/22

(आशा त्रिपाठी)
जिला कार्यक्रम अधिकारी
सहारनपुर।

यहां से 24 अगस्त को उनके आवास 4/ए जनरल करियप्पा रोड, निकट बालू गंज पुलिस चौकी, आगरा एक गाड़ी में सामान भेजा गया। जिस गाड़ी में यहां से सामान भेजा गया, उसके चालक को जिला कार्यक्रम अधिकारी आशा त्रिपाठी ने अपने विभागीय लेटरपैड पर एक प्रमाणपत्र बना दिया, जिसमें लिखा- माननीय मंत्री बेबीरानी मौर्य के लिए कुछ सामान शासकीय कार्य में गाड़ी संख्या यूपी 11 बीटी- 8347 में सहारनपुर से माननीय मंत्री आवास आगरा जा रहा है। अत: आपको सूचित किया जाता है कि उक्त गाड़ी को किसी प्रकार के अवरोध एवं टोल टैक्स से मुक्त करने का कष्ट करें। अधिक जानकारी के लिए कैबिनेट मंत्री के निजी सहायक संजय के मोबाइल नंबर 9410406030 पर संपर्क किया जा सकता है। अब यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जो चर्चा का विषय बना है। इस संबंध में मंत्री के निजी सहायक संजय का कहना है कि सहारनपुर से क्या सामान मंत्री के आवास पर आगरा भेजा गया है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ इकाना स्टेडियम पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

लखनऊ। राजधानी पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने कल शाम को इकाना स्टेडियम में पसीना बहाया। नेट प्रैक्टिस में किसी ने बॉलिंग तो किसी ने बैट पर हाथ आजमाए और कुछ खिलाड़ी वॉर्मअप करते भी दिखे। छह अक्टूबर को होने वाले वन-डे मुकाबले के लिए तैयारियों को पुरी तरह धार देने में लगे हुए हैं। तेज गेंदबाज आवेश खान और चाइनामैन कुलदीप यादव ने गेंदबाजी की, इस दौरान लक्ष्मण ने दोनों को ऑफ और मिडल स्टंप पर बॉल डालने की नसीहत दी। गुरुवार को टीम इंडिया, दक्षिण अफ्रीका के साथ सीरीज का पहला वन-डे मैच खेलेगी।

यूपी कांग्रेस का नया प्रयोग

खाबरी के जरिए कांग्रेस ने खेला दलित कार्ड, 24 में मिलेगा फायदा

» छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाकर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का सभी वर्ग को साधने का प्रयास

» प्रदेश अध्यक्ष बोले- सबको साथ लेकर चलती है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कायाकल्प करने के लिए अनूठा प्रयोग किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ पार्टी ने छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाकर सभी वर्ग को साधने का भी प्रयास किया है। इसके साथ ही साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण पर भी पूरा जोर है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन में बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वालों को बड़ा सम्मान भी दिया गया है। यूपीसीसी के नए अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के साथ ही नसीमुद्दीन सिद्दीकी और नकुल दुबे बसपा को छोड़कर आए हैं।

कांग्रेस ने अन्य दलों के जातीय समीकरण कर दलित पर दांव चलते हुए 'टीम प्रियंका' में शामिल पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व बसपा के पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव में निराशाजनक परिणाम आने के बाद अजय कुमार लल्लू ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके करीब छह महीने बाद नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की गई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा भी यूपी की प्रभारी रह चुकी हैं लेकिन उनकी लगातार सक्रियता के बावजूद कांग्रेस को प्रदेश में सिर्फ दो सीटों पर ही जीत मिली है। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने की घोषणा पर बृजलाल खाबरी ने कहा कि मैं इस भूमिका के लिए तैयार हूं। कांग्रेस सभी को साथ लेकर चलती है। हम धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करते। दलित प्रदेश अध्यक्ष होने पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने आज की जरूरत को ध्यान में रखकर निर्णय लिया है। प्रदेश में कांग्रेस को लेकर चुनौतियों पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक हालात बदलते रहते हैं। पहले हम सत्ता में थे। अब नहीं हैं। ये लड़ाई देश और संविधान बचाने की है और हम सभी को साथ लेकर चलेंगे। कांग्रेस ने एक तरफ बृजलाल खाबरी को अध्यक्ष बनाकर दलित समाज को मैसेज दिया है। वहीं, प्रांतीय अध्यक्षों में दो ब्राह्मण, एक मुस्लिम, एक भूमिहार और पिछड़ी जाति से दो प्रांतीय अध्यक्ष बनाए हैं। बताया जा रहा है कि घोषित पदाधिकारियों को जातीय आधार पर कार्यक्षेत्र दिए जाएंगे।

बृजलाल खाबरी का राजनीतिक सफर

बृजलाल खाबरी ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत बसपा से की थी। कुछ ही समय में उनकी गिनती बुंदेलखंड बसपा के कद्दावर नेताओं में होने लगी। वह 1999 में जालौन-गरौठा सीट से जीत हासिल कर लोकसभा सदस्य रह चुके हैं। बसपा के टिकट पर ही वह 2004 का भी चुनाव लड़े पर हार गए। 2008 में वह बसपा से राज्यसभा सदस्य बनें। 2014 के चुनाव में भी उन्हें हार मिली। 2016 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में वह ललितपुर की महरौनी सीट से चुनाव लड़े पर हार गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह जालौन-गरौठा सीट से चुनाव लड़े। 2022 के विधानसभा चुनाव में महरौनी से विधानसभा चुनाव लड़े दोनों ही बार उन्हें हार मिली।

जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधने के प्रयास

जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधने के प्रयास में पहली बार प्रदेश को छह प्रांतों में बांटकर छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाने का प्रयोग भी कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस ने बाहरी को भी बड़ा पद देने में संकोच नहीं किया है। प्रदेश अध्यक्ष के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष में सिर्फ योगेश दीक्षित ही खांटी कांग्रेसी हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष खाबरी व अन्य प्रांतीय अध्यक्ष बसपा व दूसरी पार्टियों से आए हैं या उनमें रह चुके हैं।

सिर्फ दो पर जीत और इतने ही प्रतिशत वोट

विधानसभा चुनाव 2022 में 403 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारने के बाद सिर्फ दो पर जीत और इतने ही प्रतिशत वोट पाने वाली कांग्रेस ने मिशन 2024 की तैयारी के लिए बड़ी तैयारी की है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए बीते पांच माह से कांग्रेस हाईकमान की नजर जातीय समीकरणों पर थी और अंततः दलित ही उसे ऐसा वर्ग नजर आया, जिसे किसी दल ने प्रतिनिधित्व नहीं दिया है। दलित पर हाथ रखते हुए नेतृत्व ने राष्ट्रीय सचिव बृजलाल खाबरी को उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंप दी। बसपा से एक बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा सदस्य रहे खाबरी बुंदेलखंड के उरई (जालौन) से आते हैं।

प्रदेश को छह प्रांत में बांटा

साथ ही कांग्रेस ने पहली बार प्रदेश को छह प्रांत पश्चिम, ब्रज, बुंदेलखंड, अवध, प्रयाग और पूर्वांचल में बांटा है। कांग्रेस में आने से पहले बसपा के कद्दावर नेता रहे पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मुस्लिम चेहरे के रूप में मुस्लिमों के प्रभाव वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ पिछड़ों के प्रतिनिधि के रूप में निवर्तमान प्रदेश महामंत्री अनिल यादव को बृज प्रांत का अध्यक्ष बनाया है। वह इटावा से आते हैं और उनसे उम्मीद है कि यादव बेल्ट में समाजवादी पार्टी के वोटबैंक में सेंध लगाएंगे।

दरकिनार राहुल गांधी का ही प्रस्ताव

प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में नकुल दुबे की नियुक्ति पर कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता प्रश्न खड़े कर रहे हैं। उनका कहना है कि हाल ही में राजस्थान के उदयपुर में हुए पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक प्रस्ताव पास कराया था कि किसी दूसरे दल से आने के बाद जब कोई व्यक्ति कार्यकर्ता के रूप में पांच वर्ष पार्टी में काम कर लेगा, तभी उसे कोई पद दिया जाएगा। नकुल दुबे 26 मई, 2022 को ही बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए और उन्हें प्रांतीय अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद दे दिया गया है।

ब्राह्मण वर्ग से दो नेताओं को प्रतिनिधित्व

कांग्रेस ने ब्राह्मण वर्ग से दो नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया है। अब तक प्रदेश में उपाध्यक्ष प्रशासन का दायित्व संभाल रहे अलीगढ़ के योगेश दीक्षित बुंदेलखंड प्रांत का जिम्मा देखेंगे। नई टीम में शामिल दीक्षित ही खांटी कांग्रेसी हैं, जो कभी किसी दूसरे दल में नहीं रहे। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए बसपा के पूर्व विधायक तथा मंत्री नकुल दुबे अवध प्रांत के अध्यक्ष होंगे।

अजय कुमार लल्लू पर हार का ठीकरा

राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ी कांग्रेस मात्र दो सीट और दो प्रतिशत वोट ही पा सकी। हार का ठीकरा तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के सिर फोड़ा गया, जो खुद भी चुनाव हार गए थे। उन्होंने 15 अप्रैल, 2022 को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। तभी से नए अध्यक्ष की प्रतीक्षा की जा रही थी।

अजय राय प्रयाग प्रांत के मुखिया

वाराणसी क्षेत्र में पार्टी के लिए संघर्ष करते रहे पूर्व विधायक अजय राय प्रयाग प्रांत के मुखिया होंगे। वह भूमिहार जाति के हैं। राजनीतिक सफरनामा भाजपा से शुरू किया, समाजवादी पार्टी में भी रहे और उसके बाद कांग्रेस में शामिल हुए। इसी तरह 2012 में बसपा से ही आए कांग्रेस के वर्तमान विधायक वीरेंद्र चौधरी पर पूर्वांचल में कुर्मी बिरादरी को एकजुट करने की जिम्मेदारी होगी।

भारतीय सड़क कांग्रेस का 81वां अधिवेशन आठ से

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आठ से 11 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले भारतीय सड़क कांग्रेस के 81वें अधिवेशन में देश-विदेश के मार्ग विशेषज्ञ वैज्ञानिक और शीर्षस्थ अभियंता शामिल होंगे। अधिवेशन में सड़कों के बेहतर रखरखाव के साथ उनके निर्माण में नई तकनीकों के उपयोग पर विचार-विमर्श होगा। कम लागत में बेहतर गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण पर भी चर्चा होगी। लखनऊ में पांचवीं बार यह अधिवेशन होने जा रहा है। भारतीय रोड कांग्रेस (आईआरसी) देश में राजमार्ग और सेतुओं के निर्माण से संबंधित वैज्ञानिकों और अभियंताओं की एक शीर्ष संस्था है, जो राजमार्गों, सेतुओं के निर्माण से जुड़े मानकों, विशिष्टियों का निर्धारण करती है। इस प्रक्रिया के लिए प्रति वर्ष देश के चयनित स्थानों पर अधिवेशन आयोजित किया जाता है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने दो दिन पहले ही अधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिवेशन का आयोजन राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। आयोजन की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की झलक देखने को मिलनी चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चीतों को रास आ गया भारत का वातावरण

नामीबिया से लाए गए आठों चीते मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में लंबी-लंबी छलांगे मार रहे हैं। धीरे-धीरे उनको भारत का वातावरण रास आ रहा है। अब वे डरे सहमे नहीं, बल्कि पार्क में गुर्रा रहे हैं। मीट भी खाने लगे हैं। पर्यटक भी उन्हें देखने आने लगे हैं। अब कई दशक पीछे चलते हैं... जब देश आजाद हुआ था, तब उसके साथ-साथ देश के जंगलों को भी चीता से आजादी मिल गई थी। चिड़ियाघरों में भी धीरे-धीरे चीते खत्म हुए और भारत चीताहीन हो गया। लगभग 13 सालों के ठोस वैश्विक प्रयासों के बाद 17 सितंबर, 2022 को चीते का देश की धरती पर पुन: पदार्पण हुआ है। चीते के लिए उसी मध्य प्रदेश को चुना गया है, जो बाघों के लिए सबसे सुरक्षित सिद्ध हुआ है। मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या सबसे ज्यादा 526 है, अब वहां का कूनो उद्यान आठ चीतों का घर हो गया है।

टाइगर रिजर्व की शुरुआत पचास साल पहले तब हुई थी, जब बाघों की तादाद घटकर 1,800 के करीब पहुंच गई थी। उससे पहले 1947 में लगभग 40,000 बाघों का अनुमान लगाया गया था। वैसे, टाइगर रिजर्व से फायदा यह हुआ कि बाघों की तादाद पिछली सदी के आखिरी दशक में 3,500 के करीब पहुंच गई, लेकिन फिर ढिलाई शुरू हो गई, तो साल 2006 में बाघों की संख्या लगभग वहीं पहुंच गई, जहां टाइगर रिजर्व से पहले थी। आज देश में टाइगर रिजर्व की संख्या नौ से बढ़कर 52 हो गई है। शिकारियों को रोका गया है, देखभाल बढ़ी है, तो देश में बाघों की संख्या बढ़कर 2,900 के करीब पहुंच गई है। हालांकि इनमें से भी 1,900 के करीब बाघ ही टाइगर रिजर्व में निवास करते हैं। दुख की बात है, कभी अपने देश में लाखों की तादाद में चीते थे, लेकिन आज दुनिया भर में महज 7,100 चीते ही बचे हैं। एशिया में केवल ईरान में 12 से 40 के बीच चीते बचे हैं। चीते ज्यादातर पूर्वी और दक्षिण अफ्रीका में बचे हैं। लगभग 4,000 चीते अंगोला, बोत्सवाना, मोजाम्बिक, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया में निवास करते हैं। केन्या और तंजानिया में लगभग 1,000 चीते हैं। हमारी संस्कृति में वन्यजीवों को अधिकता की स्थिति में ही मारने की इजाजत थी। बाद में जिन संस्कृतियों का समावेश हुआ, उनमें वन्यजीवों को अनुत्पादक माना गया, अत: उनसे जंगल छीनकर खेत व बगीचों को सुरक्षित बनाने पर काम हुआ। मुगलों और अंग्रेजों के समय शिकारियों को सम्मान दिया गया। ध्यान रहे, देश के अंतिम तीन वन्य चीतों को सरगुजा के महाराजा ने 1947 में मौत की नींद सुलाया था। अब हमें वन्यजीवों के प्रति बहुत उदार बनना ही पड़ेगा। कभी लाखों हाथी थे, अब महज 27,312 बच गए हैं। शेर महज 674 बच गए हैं। जहां जो वन्यजीव प्रेम से रह जाए, उसे सहेज लेना होगा। जैसे गुजरात के गिर में शेर सिमटकर खुश हैं, वैसे ही कूनो में अगर चीते गुलजार हो जाएं, तो यह हमारी मानवता की बड़ी सफलता होगी।

संजय

> **"टाइगर रिजर्व से फायदा यह हुआ कि बाघों की तादाद पिछली सदी के आखिरी दशक में 3,500 के करीब पहुंच गई, लेकिन फिर ढिलाई शुरू हो गई, तो साल 2006 में बाघों की संख्या लगभग वहीं पहुंच गई, जहां टाइगर रिजर्व से पहले थी। आज देश में टाइगर रिजर्व की संख्या नौ से बढ़कर 52 हो गई है। शिकारियों को रोका गया है, देखभाल बढ़ी है, तो देश में बाघों की संख्या बढ़कर 2,900 के करीब पहुंच गई है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खड़गे के अध्यक्ष बनने से टूटेगा राहुल का सपना?

विनोद पाठक

कांग्रेस का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? इस रहस्य से करीब-करीब पर्दा उठ गया है। अंतिम समय में राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नामांकन किया। उनसे पहले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम अध्यक्ष पद के लिए लिया जा रहा था, लेकिन खड़गे का नाम आते ही दिग्विजय सिंह ने अपनी दावेदारी वापस ले ली। वैसे खड़गे के मुकाबले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी हैं और झारखंड के पूर्व विधायक कृष्णानंद त्रिपाठी ने नामांकन भरा है, परंतु खड़गे की जीत निश्चित है। उन्हें गांधी परिवार का आशीर्वाद प्राप्त है।

खड़गे के प्रस्तावकों में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हैं, जो चार दिन पहले तक स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में सबसे आगे थे। खड़गे की उम्र 80 साल है। वो कांग्रेस के इतिहास में संभवत: अब तक के सबसे वयोवृद्ध राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। खड़गे की ताजपोशी से बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि कुछ बरस पहले तक राहुल गांधी युवाओं को कांग्रेस पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी देकर आगे लाना चाहते थे। क्या खड़गे के अध्यक्ष बनने से राहुल का सपना टूट गया है? कांग्रेस पार्टी के पूर्व में रहे राष्ट्रीय अध्यक्षों की बात करें तो सीताराम केसरी 77 साल की आयु में शीर्ष पद पर बैठे थे, जबकि मोतीलाल नेहरू ने 67 साल की उम्र में कुर्सी संभाली थी। पार्टी ने पूर्व में कई बार युवा नेताओं को सबसे बड़े पद पर बैठने का मौका दिया है। साल 1923 में मौलाना आजाद जब कांग्रेस अध्यक्ष बनने थे, तब उनकी उम्र मात्र 35 साल की थी। वो भारत के पहले शिक्षा मंत्री भी रहे। पंडित जवाहरलाल नेहरू 40, राजीव गांधी 41, इंदिरा गांधी 42, राहुल गांधी 47 और सोनिया गांधी 52 साल की उम्र में कांग्रेस अध्यक्ष बन गई थीं। दिसंबर 2017 में जब राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी, तब युवा जोश का नारा पार्टी ने दिया था। राहुल गांधी ने एक पूरी यूथ ब्रिगेड खड़ी करने की कवायद शुरू की थी। देश में युवाओं को नेतृत्व देने की बात जोर-शोर से उठाई थी। राहुल की टीम में सचिन पायलट, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद, अशोक तंवर, मिलिंद देवड़ा, मनीष तिवारी, दिव्या स्पंदना, सुष्मिता देव जैसे कई युवा चेहरे हुआ करते थे।

राहुल की पहल पर ज्योतिरादित्य सिंधिया, सचिन पायलट, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद को मनमोहन कैबिनेट में शामिल किया गया था। संगठन में युवाओं को आगे बढ़ाया जा रहा था। सचिन पायलट को राजस्थान तो अशोक तंवर को हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया गया था। सचिन के नेतृत्व में पार्टी दिसंबर 2018 में राजस्थान की सत्ता में लौटी। उस समय लग रहा था कि कांग्रेस की कमान अब युवाओं के हाथ में आ जाएगी। हालांकि, मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजस्थान में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री न बनाने से राहुल गांधी के युवा जोश के सपने को झटका लगा था। साल 2019 की गर्मियों में लोकसभा चुनाव हारने के बाद जैसे ही राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, उनकी युवा ब्रिगेड बिखरती चली गई। आज की स्थिति देखें तो ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हो चुके हैं। अशोक तंवर ने आम आदमी पार्टी और सुष्मिता देव ने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। मनीष तिवारी असंतुष्ट जी-23 ग्रुप के सदस्य हैं और कई अवसरों पर पार्टी की आलोचना कर चुके हैं। सचिन पायलट साल 2020 में बगावत कर चुके हैं और विगत दो साल से मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लड़ते दिखाई दे रहे हैं। ऐसी ही स्थिति अन्य राज्यों में भी है। राहुल गांधी के अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद कांग्रेस पार्टी युवाओं को छोड़कर पुन: वयोवृद्ध नेताओं पर विश्वास जताने लगी। सोनिया गांधी को कार्यकारी अध्यक्ष बनना पड़ा। अभी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में यह साफ-साफ झलक भी रहा है पहले चर्चा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अध्यक्ष बनाने की थी, जो 72 साल के हैं। 66 साल के शशि थरूर पहले दिन से चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। राजस्थान में 25 सितंबर की रात कांग्रेस पार्टी में भारी उठा-पटक के बाद अशोक गहलोत रेस से बाहर हुए तो दिग्विजय सिंह का नाम सामने आया,

जो 75 साल के हैं। यदि आज पार्टी में नजर दौड़ाकर देखें तो युवा कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। सवाल उठता है कि राहुल गांधी के कांग्रेस को युवा बनाने के सपने का क्या हुआ? क्या कारण थे कि वो पुन: अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने को तैयार नहीं हुए? क्या इसके पीछे यही वयोवृद्ध नेताओं की ब्रिगेड है? जिसकी कार्यपद्धति से राहुल खुन्नस खाते रहे हैं, जिसके संकेत वो अपने पूर्व के बयानों में देते रहे हैं। अब मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने से पार्टी कैसे युवाओं को जोड़ेगी? यह सवाल है। बेशक मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत ही अनुभवी नेता हैं। कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री, केंद्र में मंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। राज्यसभा में वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेता हैं। हालांकि आज के समय में केवल अनुभव होने से काम नहीं चलता है।

टीबी की बीमारी को माना जाता है सामाजिक कलंक

राजेंद्र पी जोशी

भारत में करीब 26 लाख लोग आज भी तपेदिक (टीबी) से पीड़ित हैं। विश्व में एक चौथाई मरीजों के साथ भारत दुनिया में टीबी का सबसे बड़ा केंद्र है। हाल ही में जारी नेशनल टीबी प्रिवेलेंस इन इंडिया रिपोर्ट (2019-21) से पता चलता है कि भारत में 15 साल से अधिक उम्र के लोगों में माइक्रोबायोलॉजिकल रूप से पुष्ट टीबी का अनुपात प्रति लाख आबादी पर 316 मरीज है। पल्मोनरी टीबी का सबसे अधिक प्रसार दिल्ली में है, यहां प्रति लाख आबादी पर मरीजों की संख्या 534 है। वहीं केरल प्रति लाख आबादी पर 115 मरीजों के साथ सबसे आखिरी पायदान पर है। टीबी हमेशा से भारत की सबसे बड़ी जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक रही है। भारत ने सतत विकास लक्ष्यों की तय सीमा से पांच वर्ष पहले यानी 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। भारत की यह प्रतिबद्धता तब है, जब दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कोरोना महामारी के कारण पटरी से उतर चुकी है। सरकार देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए दोगुनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

टीबी नेशनल स्ट्रेटेजिक प्लान (एनएसपी) 2020-2025 इसी का प्रमाण है। नए एनएसपी में लक्ष्यों को नए सिरे से तय किया गया है, ताकि भारत से टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय प्रयासों में तेजी लाई जाए। एनएसपी के प्रमुख प्रयासों में पॉपुलेशन स्क्रीनिंग, निजी क्षेत्र में मरीजों की देखभाल के उच्च मानक, सफल इलाज की उच्च दर और डायग्नोसिस के लिए नई तकनीक का उपयोग आदि शामिल हैं। टीबी सिर्फ जनस्वास्थ्य से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक विकास, पोषण और जीवन-शैली से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। टीबी की बीमारी को सामाजिक कलंक भी माना जाता है, जिसके चलते मरीज को भेदभाव के साथ-साथ आजीविका खत्म होने जैसे नुकसान भी झेलने पड़ते हैं। टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए पहले से अधिक प्रयास, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है। बीते कुछ वर्ष में भारत ने टीबी से होने वाली मौतों की दर के साथ ही संक्रमण दर कम करने की दिशा में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में विविधता और भिन्नता को देखते हुए नए तरीके के सहयोगियों, जैसे कॉरपोरेशन, सिविल सोसाइटी, युवाओं, समुदाय आधारित संगठन और समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

ये सभी भागीदार टीबी के खिलाफ जंग में जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस साल की थीम (इनवेस्ट टू एंड टीबी : सेव लाइव्स) टीबी के सफाए के लिए निवेश की जरूरत पर जोर डालती है। यह निवेश सिर्फ वित्तीय ही नहीं, बल्कि मानव संसाधन के रूप में भी होना चाहिए। हालांकि टीबी की समाप्ति को लेकर शीर्ष स्तर पर जबर्दस्त राजनीतिक प्रतिबद्धता देखने को मिलती है, पर इसके बावजूद हमें अभी मौजूदा साझेदारी को मजबूत करने और नए साझेदारों को शामिल करने की जरूरत है।

देश के विभिन्न राज्यों ने टीबी पर नियंत्रण को लेकर बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ टीबी रोगियों के लिए पोषण कार्यक्रम शुरू करने वाला पहला राज्य था, जिसके बाद इस पहल को राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कायक्रम में शामिल कर लिया गया। उत्तर प्रदेश में राज्यपाल, सरकारी अधिकारियों एवं कॉरपोरेट घरानों का द्वारा 38,000 से अधिक बच्चों को गोद लेना, बिहार में पोषण अभियान की तर्ज पर एक जनांदोलन शुरू करना और कर्नाटक में टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम में सांसदों एवं विधायकों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहन- ऐसी ही पहल हैं। सफल प्रयासों से सीखना और उन पर अमल करना इस बीमारी से निपटने का आसान तरीका हो सकता है। देश की बड़ी आबादी में अपनी सेहत का खुद ख्याल रखने की आदत विकसित ही नहीं हो पाई है, जिसके चलते इस बीमारी के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक हो जाता है। नेशनल टीबी प्रिवेलेंस इन इंडिया रिपोर्ट बताती है कि टीबी के 63.6 फीसदी रोगियों ने इलाज के लिए कोई पहल ही नहीं की है। हर साल लगभग चार लाख टीबी के मामले दर्ज ही नहीं किए जाते। डायग्नोसिस में देरी और इलाज बीच में ही बंद करने से टीबी की बीमारी और भी गंभीर हो सकती है। इससे इलाज का खर्च बढ़ सकता है, और टीबी के फैलने का जोखिम भी बढ़ सकता है। ऐसे में अधिक टीबी मरीजों वाले राज्यों और अधिक जोखिम वाले समूहों में निवेश और संसाधन उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

इसके तहत लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा और इलाज की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर देना होगा। रोगियों से भेदभाव खत्म करने के लिए प्रशिक्षण और चैंपियनों का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, टीबी फोरम एवं पेशेंट सपोर्ट ग्रुप की स्थापना कर समाज में जागरूकता फैलाई जा सकती है। वित्तीय और मानव संसाधनों के बड़े निवेश से युवा तकनीक का इस्तेमाल कर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। मशहूर हस्तियों को अभियान में शामिल करने से हमें वैसे ही नतीजे मिल सकते हैं, जैसे पोलियो और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अभियानों में देखने को मिले। तेज और सटीक डायग्नोसिस, लगातार इलाज जारी रखने, आईईसी गतिविधियों, स्वयंसेवकों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए आधुनिक तकनीक की मदद ली जा रही है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं।

अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है दशहरा

दशहरा का पर्व अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह शुभ तिथि 5 अक्टूबर दिन बुधवार को है। इस त्योहार को अधर्म पर धर्म की जीत के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था और मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का अंत किया था। इसलिए यह पर्व विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। रामलीलाओं दशहरे के दिन रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का भी दहन किया जाता है। इस दिन के साथ ही दुर्गा पूजा का समापन हो जाता है। आइए जानते हैं दशहरे की पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व...

दशहरा तिथि अबूझ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, दशहरा तिथि एक अबूझ मुहूर्त माना जाता है अर्थात इसमें बिना कोई मुहूर्त देखे, सभी शुभ कार्य किए जा सकते हैं। अगर आप कोई नया व्यापार शुरू कर रहे हैं या फिर कुछ खरीद रहे हैं तो इस मुहूर्त में शुभ कार्य करना हमेशा शुभ फलदायी माना जाता है। इस साल दशहरा पर कई शुभ योग का भी निर्माण हो रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन रवि नामक योग, सुकर्मा और धृति योग भी बन रहे हैं।

कब है दशहरा पर्व ?

दशहरा तिथि प्रारंभ: 4 अक्टूबर, दोपहर 02 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ
दशहरा तिथि समापन: 5 अक्टूबर, दोपहर 12 बजे समाप्त

भारतीय त्योहार उदया तिथि के हिसाब से मनाते हैं। उदया तिथि से आशय सूर्योदय के समय मौजूद तिथि से होता है। यानी जिस दिन तिथि में सूर्योदय होता है, वह पर्व के हिसाब से तिथि मान्य होती है।

दशहरे का महत्व

दशहरे का पर्व असत्य पर सत्य की जीत और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन 10 दिन से चलने वाले युद्ध में मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर दिया था और भगवान राम ने रावण का अंत करके लंका पर विजय प्राप्त की थी। इस वजह से इस दिन शस्त्र पूजा, दुर्गा पूजा, राम पूजा और शमी पूजा का महत्व है। इन दोनों घटनाओं की वजह से इस पर्व को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित किया जाता है। इसके साथ ही इस दिन चंडी पाठ या दुर्गा सप्तशती का पाठ व हवन करने का विशेष महत्व है।

पूजा विधि

दशहरे की पूजा दोपहर के समय करना उत्तम रहता है। इस दिन घर के ईशान कोण में 8 कमल की पंखुड़ियों से अष्टदल चक्र बनाया जाता है। इसके बाद अष्टदल के बीच में अपराजिताय नमः मंत्र का जप करना चाहिए और मां दुर्गा के साथ भगवान राम की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद माता जया को राइट और विजया को लेफ्ट तरफ स्थापित करें। अब माता को रोली, अक्षत, फूल आदि पूजा की सामग्री अर्पित करें और भोग लगाएं। माता की आरती भी करें और जयकारे भी लगाएं। कुछ जगहों पर गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाई जाती हैं। इन कटोरियों में से एक में सिक्के और दूसरी में रोली, चावल, जौ व फल रख दें। इसके बाद प्रतिमा पर जौ, केले, मूली और गुड़ आदि अर्पित कर दें। अगर बहीखाते या शस्त्रों की पूजा कर रहे हैं तो पूजा स्थल पर इन चीजों को भी रख दें और इन पर भी रोली व अक्षत लगाएं। इसके बाद यथाशक्ति अनुसार दान-दक्षिणा दें और गरीबों व अवश्य को भोजन अवश्य कराएं। शाम के समय रावण दहन हो जाए तो शमी की पत्तियां अपने परिजनों को दे दें फिर सभी घर के बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

हंसना मना है

चिंकू: एक गंजे के सिर पर दो बाल थे। उन दोनों में प्यार हो गया फिर भी उनकी शादी नहीं हुई।० शीटू: क्यों नहीं हुई शादी? चिंकू: क्योंकि बाल विवाह कानूनन अपराध है।

पापा नाश्ता कर रहे थे और अचानक फोन बजा... पापा: मेरे ऑफिस से होगा, पूछे तो बोल देना मैं घर पर नहीं हूं। बेटी (फोन उठाकर): पापा घर पर ही हैं। पापा: अरे, मैंने तो कहा था कि मना कर देना: बेटी: अरे फोन मेरे लिए था: पापा बेहोश।

दामाद: आपकी बेटी में तो हजारों कमियां हैं। सास: हां बेटा, इसी वजह से तो उसे अच्छा लड़का नहीं मिला।

मीनू: तुम्हारी बेटी की सगाई को पूरे 2 साल हो गये हैं, विवाह मे इतनी देरी क्यूं? टीनू: दरअसल, लड़का एक वकील है। जैसे ही विवाह की तारीख पास आती है। वह कोई ना कोई बहाना करके तारीख आगे बढ़ा देता है।

महिला: बाबा, मेरे और मेरे पति के बीच प्रेम कम हो गया है... कोई उपाय बताओ। बाबा: बेटा, शनिवार को फेसबुक और रविवार को व्हाटसऐप का उपवास रखो, पहले जैसा प्रेम आ जाएगा।

सुहागरात को पत्नी का घूंघट उठाकर रमेश रोमांटिक अंदाज में बोला... हमैं तुमाई आंखन में पूरौ शहर दीख रऔ है रमेश की पत्नी: देखियो, आगे बाले चौराहे पे मारो ब्वॉयफ्रेंड खड़ो है का... रमेश बेहोश।

पत्नी पति से: तुम तो कहते थे कि शादी के बाद भी मुझे खूब प्यार करोगे? पति: सॉरी यार! मुझे क्या पता था कि तुम्हारी शादी मेरे साथ हो जाएगी।

कहानी | क्रोध और नियंत्रण

एक समय की बात है एक राजा घने जंगल में भटक गया। सही रास्ते की तलाश में घंटो भटकने के बाद वो थक गया और प्यास के कारण व्याकुल होने लगा। तभी उसकी नज़र एक बड़े से पेड़ पर पड़ी जहाँ पर एक डाली से टप-टप करती पानी की छोटी-छोटी बूंदे गिर रही थी। तभी राजा ने पानी पीने का एक उपाय निकाला और पेड़ के पत्तों का एक दोना बनाकर उसमें पानी इकट्ठा किया। राजा जैसे ही पानी पीने लगा तभी एक तोता आया और झपट्टा मार कर दोने को गिरा दिया। उसके बाद राजा फिर से उस खाली दोने को भरने लगा। काफी देर बाद दोना फिर से भर गया। राजा ने हर्षचित्त होकर जैसे ही दोने को उठाया तो तोते ने वापस उसे गिरा दिया। तोते की इस हरकत से राजा क्रोधित हो उठा और उसने चाबुक उठाकर तोते पर जोरदार वार किया और तोते के प्राण पखेरू उड़ गए। अब राजा ने सोचा की अब मैं आराम से पानी इकट्ठा कर अपनी प्यास बुझा पाउँगा। यह सोचकर वह डाली के वापस पानी इकट्ठा होने वाली जगह पहुंचा तो उसके पांव के नीचे की जमीन खिसक गयी। क्यूंकि उस डाली पर तो एक जहरीला सांप सोया हुआ था और उस सांप के मुँह से लार टपक रही थी। राजा अब तक जिसको पानी समझ रहा था वह सांप की जहरीली लार थी। यह देखकर राजा का मन ग्लानि से भर गया। उसने कहा काश मैंने संतों के बताये उत्तम क्षमा मार्ग को धारण कर क्रोध पर नियंत्रण किया होता तो ये मेरे हितैषी निर्दोष पक्षी की जान नहीं जाती।

कहानी से शिक्षा: क्रोध की स्थिति में निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

7 अंतर खोजें

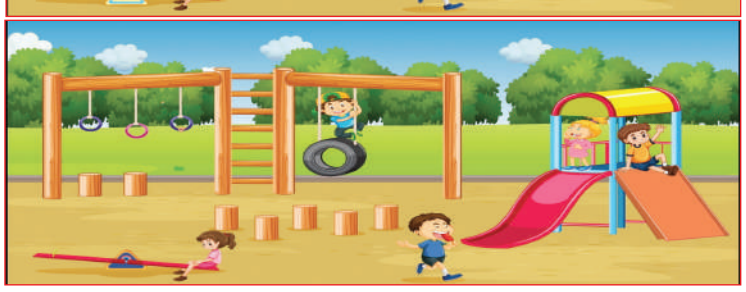

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

वृषभ
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक धन लाभ होगा। घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी व्यावहारिक प्रवृत्ति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।

मिथुन
आज आपकी वाणी की मिठास से आप इच्छित काम निकाल सकेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे जो आप के बने बनाये कार्य बिगाड़ सकते हैं। सूझ-बुझ से धनलाभ होगा।

कर्क
जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

सिंह
आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। आज काम के मामले में कोई बड़ी चुनौती भी आपके सामने आ सकती है।

कन्या
आज किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। वैवाहिक जीवन अनुकूल होगा। पिछले कुछ दिनों से जो प्लानिंग आपके दिमाग में है उस पर काम शुरू न करें तो ही अच्छा है।

तुला
आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा। कानूनी मसलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

धनु
परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफी सारी मांगें होंगी। किसी से विवाद और मतभेद हो सकते हैं। खर्चा और फालतू दौड़-भाग हो सकती है। धन हानि भी हो सकती है।

मकर
केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है।

कुम्भ
आज कामकाज में आपका पूरा मन लगेगा। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो उसे आज समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

मीन
आज सुख-सुविधा पर खर्चा करने का मन बन सकता है। बैंक से जुड़े कार्यों में सतर्क रहें। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी राजनीति में कदम रखने की कोई योजना नहीं : कंगना

हाल में ही खबरें आ रही थीं कि बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत राजनीति में कदम रख सकती हैं। महाराष्ट्र सीएम शिंदे से उनकी मुलाकात को काफी जरूरी बताया जा रहा था। खबरें थी एक्ट्रेस जल्द ही राजनीति में कदम रख सकती हैं, लेकिन हाल में 2 अक्टूबर के मौके पर उन्होंने अपने विचार लोगों से साझा कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। 2 अक्टूबर के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने रविवार को 'नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट' का दौरा किया। यहां 17 सितंबर से ई-नीलामी शुरू हुई है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उपहार में दी गईं 1,200 से अधिक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है और उनकी नालामी की जा रही है। एक्ट्रेस ने अयोध्या में आगामी श्री राम मंदिर के मॉडल के लिए बोली लगाई। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने फिल्मी करियर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, ''मेरी राजनीति में कदम रखने की कोई योजना नहीं है। मैं अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हूं। मुझे राजनीति में दिलचस्पी है, लेकिन केवल एक कलाकार के रूप में और मैं एक सफल कलाकार हूं। मैंने अपना करियर 16 साल की उम्र में शुरू किया था और बहुत संघर्षों के बाद इस मुकाम पर पहुंची हूं।'' कंगना ने कहा कि उनकी राजनीति उनके काम में दिखेगी। रनौत ने कहा, ''मेरे पास एक नया करियर शुरू करने की क्षमता नहीं है, लेकिन मैं राजनीति में अपनी रुचि को ध्यान में रखते हुए हमेशा अच्छी फिल्म बनाऊंगी।'' अभिनेत्री ने कहा कि वह एक देशभक्त हैं और हमेशा उन लोगों को बढ़ावा देंगी जो ''देश के लिए अच्छा काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक देशभक्त हूं... मैं अपने काम में बहुत व्यस्त हूं और हमेशा उन लोगों का समर्थन करूंगी जो देश के लिए अच्छा कर रहे हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों।

गांधी जयंती पर संजय दत्त ने दिखाई गांधीगिरी

बॉलीवुड | मसाला

देशभर में आज 153वीं गांधी जयंती मनाई गई। ऐसे में सभी अपने तरीके से गांधी के सिद्धांतों पर बात करते नजर आ रहे हैं। संजय दत्त की गांधीगिरी को कौन भूल सकता है। लगे रहो मुन्ना भाई में उन्होंने गांधी के विचारों को मजेदार तरीके से ऑडिएंस तक पहुंचाया। ऐसे में संजू बाबा एक बार फिर दर्शकों के बीच एक कास मैसेज लेकर आए हैं।

लगे रहे मुन्ना भाई तो आपको याद होगी ही। फिल्म में गांधी के सिद्धांतों को बड़े ही मजेदार तरीके से दिखाया जाता है। ऐसे में संजय दत्त ने लगे रहो मुन्ना भाई की एक पुरानी नवीडियो शेयर की है। जिसमें वो सरकिट को बापू के एक अहिंसावादी सिद्धांत के बारे में बताते हैं फिल्म के एक सीन को आप ट्वीट में देख सकते हो। संजय दत्त सिक्योरिटी गार्ड से विनम्र निवेदन कर रहे होते हैं कि तभी सिक्योरिटी गार्ड मुन्ना भाई के एक गाल पर थप्पड़ जड़ देता है।

ऐसे में सरकिट अपने भाई को थप्पड़ पड़ता देख तैश में आ जाते हैं। ऐसे में मुन्ना भाई बापू के सिद्धांतों का हवाला देकर सरकिट को रोक लेते हैं। संजय दत्त कहते हैं कि बापू ने कहा था कि एक गाल में थप्पड़ पड़े तो दूसरा गाल आगे कर लो। दूसरा गाल आगे आते ही सिक्योरिटी गार्ड और जोर से थप्पड़ जड़ देता है।

फिर क्या मुन्ना को और गुस्सा आ जाता है वो एक मुक्का मारता है और गार्ड वहीं ढेर हो जाता है। कुल मिलाकर बापू ने दो थप्पड़ के बाद क्या करना होता है नहीं बताया होता है। इस तरह गांधी जयंती की शुभकामनाएं दी गई।

टॉपलेस हुई दृश्यम की श्रिया सरन साड़ी से बदन ढककर खिंचवाई फोटो

बॉलीवुड | गपशप

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम में लीड रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस श्रिया सरन ने कातिलाना लुक में तस्वीरें खिंचवाई हैं। साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अजय देवगन की दृश्यम समेत कुछ हिंदी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में Drishyam 2 का पोस्टर और रिकॉल वीडियो शेयर किया गया है और इसके बाद अब श्रिया सरन ने अपने टॉपलेस फोटोशूट की ये तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में श्रिया सरन सिर्फ एक साड़ी से खुद को ढकती नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है जो उनके लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और दिलकश बना रहे हैं। श्रिया ने बैक साइड से पोज दिया है और कुछ तस्वीरें साइड से भी खिंचवाई हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए श्रिया ने लिखा- साड़ी में बस ऐसी लगती हूं। श्रिया सरन का खुद को साड़ी में दिखाने का ये अंदाज फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रहा है। फोटोज को अभी तक ढाई लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट सेक्शन में तो लोग श्रिया के लुक्स की तारीफें करते नहीं थक रहे। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- सेक्सी लग रही हो। वहीं दूसरे ने लिखा- पहन लेतीं तो शायद और भी अच्छी लगतीं। बता दें कि श्रिया सरन ने साल 2001 में आई फिल्म Ishtam के जरिए अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने बेहिसाब तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में काम किया है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो श्रिया Zila Ghaziabad, Drishyam और Phamous जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

भारत में इस जगह रावण का पुतला जलाना है पाप

शारदीय नवरात्रि का आज यानी तीन अक्तूबर को आठवां दिन है। कल यानी चार अक्तूबर को महानवमी है और इसके बाद पांच अक्तूबर को देशभर में असत्य पर सत्य की जीत का त्योहार दशहरा मनाया जाएगा। भगवान राम ने रावण का इस दिन वध किया था और माता सीता को मुक्त कराया था। इस दिन को पूरे देश में विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही जगह-जगह रावण दहन किया जाता है। अहंकारी रावण के कई रूप थे जिसकी वजह से महान भी बताया था। दशानन एक विद्वान पंडित था जो कई कलाओं में माहिर था। इसके अलावा वह भगवान शिव का परम भक्त था। इसकी वजह से देश में कई ऐसी जगहे हैं जहां पर रावण का पुतला नहीं जलाया जाता है जबकि कुछ स्थानों पर लोग उसकी पूजा भी करते हैं। इन जगहों में हिमाचल प्रदेश की एक जगह भी शामिल है, जहां पर दशहरा नहीं मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि इस जगह दशहरा क्यों नहीं मनाया जाता है? हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ में दशहरा नहीं मनया जाता है। मान्यता है कि दशहरा के दिन रावण दहन करने वालों की खैर नहीं है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला में बैजनाथ स्थित है। इस जगह एक भगवान शिव प्राचीन मंदिर है। माना जाता है कि रावण जिस शिवलिंग को लेकर लंका जा रहा था वही शिवलिंग यहां पर स्थापित है। त्रेता युग में रावण ने शिवजी से अमरता का वरदान पाने के लिए घोर तपस्य की थी। इसके बाद भगवान शिव प्रसन्न होकर रावण को शिवलिंग दिया जिसे आत्मलिंग बताया जाता है। इस शिवलिंग को देते हुए भगवान शंकर ने रावण से कहा था कि इसको लंका में स्थापित करना, लेकिन इस आत्मलिंग को जहां पर रख दोगे, वहीं स्थापित हो जाएगा। भगवान शिव ने कहा कि अगर तुम्हें अमर होना है, तो इसको लंका में ले जाकर स्थापित करना। इसके बाद रावण शिवलिंग को लेकर चल दिया, लेकिन देवता चाहते थे कि रावण अमर न हो। लेकिन भगवान विष्णु ने अपनी माया से शिवलिंक को रास्ते में रखवा दिया। दरअसल रावण को लघुशंका लगी और उसने शिवलिंग को एक गड़ेरिए को पकड़ा दिया, लेकिन गड़ेरिए ने शिवलिंग को नीचे रख दिया। इसके बाद रावण ने यहीं पर भगवान शिव की तपस्या से मोक्ष का वरदान प्राप्त किया था। मान्यता है कि रावण ने इसी स्थान पर अपने दस सिरों की हवन कुंड में डाला था। भगवान शिव का रावण परम भक्त था जिसकी वजह से यहां पर दशहरा नहीं मानाया जाता था। कहा जाता है कि एक बार कुछ लोगों ने शिव मंदिर के सामने दशहरा मनाना शुरू और रावण के पुतले को जलाया गया।

अजब-गजब | अपने आप लग जाती है मंदिर में आग

यहां माता करती हैं अग्नि स्नान भक्त साक्षात देखते हैं चमत्कार

हमारे देश में अनेक ऐसे चमत्कारिक मंदिर हैं, जिनके चमत्कार देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। कहीं मंदिर के खंबे हवा में झूल रहे हैं तो कहीं भगवान शराब पी रहे हैं, कहीं पानी से दीपक जल रहा है। ऐसे कितने ही चमत्कार हमारे देश के मंदिरों में देखने को मिलते हैं। यहां माता के भी कई चमत्कारिक मंदिर हैं। आज हम आपको माता के ऐसे ही एक चमत्कारिक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां माता की मूर्ति अग्नि स्नान करती है। आज तक कोई इस रहस्य का पता नहीं लगा पाया है कि यह अग्नि अपने आप कैसे जलती है। यह चमत्कारिक मंदिर राजस्थान में स्थित है।

माता का यह चमत्कारिक मंदिर राजस्थान के उदयपुर शहर से 60 किमी दूर आरावली की पहाड़ियों में स्थित है। इस मंदिर को ईडाणा माता मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की महिमा बहुत ही निराली है। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है और एकदम खुले चौक में स्थित है। इस मंदिर का नाम ईडाणा उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यहां ईडाणा माता अग्नि से स्नान करती है। स्थानीय लोग बताते हैं यहां महीने में कम से कम 2-3 बार स्वत: ही अग्नि प्रज्जवलित

हो जाती है। हमारे देश में अनेक ऐसे चमत्कारिक मंदिर हैं, जिनके चमत्कार देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। कहीं मंदिर के खंबे हवा में झूल रहे हैं तो कहीं भगवान शराब पी रहे हैं, कहीं पानी से दीपक जल रहा है। ऐसे कितने ही चमत्कार हमारे देश के मंदिरों में देखने को मिलते हैं। यहां माता के भी कई चमत्कारिक मंदिर हैं। आज हम आपको माता के ऐसे ही एक चमत्कारिक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां माता की मूर्ति अग्नि स्नान करती है। आज तक कोई इस रहस्य का पता नहीं लगा पाया है कि यह अग्नि अपने आप कैसे जलती है। यह चमत्कारिक मंदिर राजस्थान में स्थित है। माता का यह चमत्कारिक मंदिर राजस्थान के उदयपुर शहर से 60 किमी दूर आरावली की पहाड़ियों में स्थित है। इस मंदिर को ईडाणा माता मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की महिमा बहुत ही निराली है। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है और एकदम खुले चौक में स्थित है। इस मंदिर का नाम ईडाणा उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यहां ईडाणा माता अग्नि से स्नान करती है। स्थानीय लोग बताते हैं यहां महीने में कम से कम 2-3 बार स्वत: ही अग्नि प्रज्जवलित हो जाती है। बताया जाता है कि जब ईडाणा माता अग्नि स्नान करती हैं तो अग्नि में माता का पूरा श्रृंगार और चुनरी सब कुछ स्वाहा हो जाता है लेकिन माता की मूर्ति को कोई नुकसान नहीं होता। साथ ही अग्नि में मंदिर की कोई अन्य चीज को भी नुकसान नहीं होता। इस अग्नि स्नान को देखने के लिए भक्?तों का मेला लगा रहता है। अगर बात करें इस अग्नि की तो आज तक कोई भी इस बात का पता नहीं लगा पाया कि ये अग्नि कैसे जलती है। इस मंदिर के प्रति भक्तों की खास आस्था है। मान्यता है कि लकवे से ग्रसित रोगी यहां मां के दरबार में आकर ठीक हो जाते हैं। ईडाणा माता मंदिर में अग्नि स्नान का पता लगते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है।

विधवा और तलाकशुदा बेटियों को राहत, यूपी सरकार बढ़ाएगी पेंशन

» शासन ने इनके पेंशन को पुनरीक्षित करने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के सरकारी पेंशनरों की अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों को वही पारिवारिक पेंशन स्वीकृत है जो दिवंगत पेंशनर के आश्रितों के लिए स्वीकृत की गई है। पेंशन की राशि दिवंगत सेवानिवृत कर्मचारी को मिले अंतिम वेतन के 50 फीसदी (बढ़ी हुई दर पर) अथवा 30 फीसदी (सामान्य दर पर) है। शासन ने इनके पेंशन को पुनरीक्षित करते हुए वेतन समिति 2016 की संस्तुतियों के मुताबिक भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

इस आशय का शासनादेश वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार ने जारी किया है। उन्होंने लिखा है कि इस तरह की सूचनाएं हैं कि पेंशनरों की अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों को पारिवारिक पेंशन के रूप में महज 9 हजार रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इनके पेंशन का पुनरीक्षण उ.प्र. वेतन समिति 2016

की संस्तुतियों के क्रम में जारी शासनादेश के अनुसार नहीं किया गया है। सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष, वित्त नियंत्रक, प्रमुख कार्यालयाध्यक्षों को संबोधित इस शासनादेश के हवाले से कहा गया है कि अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों की पेंशन को संशोधित करते हुए उ.प्र. वेतन समिति 2016 के क्रम में जारी शासनादेश के अनुसार पारिवारिक पेंशन का पुनरीक्षण करते हुए भुगतान किया जाए।

खिलाड़ियों को प्रतिभा निखारने के लिए मिलेंगे पांच लाख

लखनऊ। यूपी में खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर दिन नए प्रयास किए जा रहे हैं। पदक विजेता खिलाड़ी आगे प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर ज्यादा से ज्यादा मेडल जीते इसके लिए उन्हें खेल सामग्री खरीदने व अन्य खर्चों के लिए पांच लाख रुपये तक का अनुदान हर साल दिया जाएगा। वहीं खेलते समय चोट लगने पर खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा दी जाएगी। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जिला, मंडल स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पंजीकृत खिलाड़ियों, स्पोर्ट्स कालेजों व आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों के खिलाड़ियों को इसका लाभ मिलेगा। सोमवार को बापू भवन स्थित अपर मुख्य सचिव, खेल नवनीत सहगल के कार्यालय में आयोजित बैठक में एकलव्य क्रीड़ा कोष से चोटिल खिलाड़ियों को मदद देने और अनुदान देने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। इस बैठक में 35 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष के तहत आर्थिक मदद व फैलोशिप देने का भी निर्णय लिया गया। खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों को अपने खेल विधा से संबंधित आवश्यक उपकरण खरीदने के लिए पांच लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। यही नहीं संबद्धता प्राप्त खेल संघों द्वारा चार वर्षों के अंतराल पर आयोजित किए जाने वाले एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, वर्ल्डकप, वर्ल्ड चैंपियनशिप व एशयया कम में पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों के शारीरिक विकास एवं संवर्धन के लिए तीन लाख रुपये डाइड मनी प्रति वर्ष दिए जाने का भी निर्णय लिया गया। वहीं जूनियर वर्ल्डकप, एशियन कप, यूथ ओलिंपिक गेम्स, कामनवेल्थ गेम्स व सैफ गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों व प्रतिभागी खिलाड़ियों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रतिवर्ष दी जाएगी।

बिहार महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं: सुशील मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की महागठबंधन सरकार से कृषि मंत्री सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद सियासत गर्माई हुई है। पूर्व डिप्टी सीएम और बीजेपी नेता सुशील मोदी ने कहा कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को अब जगदानंद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटा देना चाहिए या फिर जगदानंद सिंह को ही नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। बता दें कि नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा देने वाले सुधाकर सिंह आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं।

» सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद जगदानंद को भी हटाएं लालू

सुशील मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अब नीतीश कुमार की हर शर्त मानने को बाध्य हैं। वह अपने बेटे तेजस्वी यादव को सीएम बनवाने की जल्दी में हैं। मंत्री पद से सुधाकर सिंह के त्यागपत्र के बाद लालू प्रसाद को जगदानंद सिंह को हटा देना चाहिए। सुधाकर सिंह और जगदानंद ने कृषि रोडमैप और मंडी कानून के मुद्दे पर नीतीश सरकार की आलोचना कर अपने तीखे मतभेद जाहिर कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में नीतीश कुमार और जगदानंद एक म्यान में दो तलवारों की तरह साथ नहीं रह सकते। आरजेडी के घोषणा पत्र में बाजार समिति को फिर से बहाल करने की बात कही गई है, जबकि नीतीश कुमार ने इसे समाप्त किया था। कृषि के मुद्दे पर महागठबंधन के दो प्रमुख दलों में तीव्र मतभेद सार्वजनिक होने से जाहिर है कि सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है।

इंस्पेक्टर को डिप्टी एसपी बनाओ: हाईकोर्ट

» एसीएस होम का रद्द कर दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिविल पुलिस में तैनात इंस्पेक्टर को डिप्टी एसपी बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एडीशनल चीफ सेक्रेट्री होम के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके द्वारा इंस्पेक्टर के प्रमोशन को सील बंद लिफाफे में करके डिप्टी एसपी नहीं बनाया गया था।

यह आदेश जस्टिस नीरज तिवारी ने इंस्पेक्टर उदय प्रताप सिंह की याचिका को मंजूर करते हुए दिया है। याची इंस्पेक्टर वर्तमान में फतेहगढ़ /फर्रुखाबाद में तैनात है। याचिका दाखिल कर एसीएस होम के 12 अगस्त 2021 को पारित आदेश को चुनौती दी गई थी। मांग की गई थी कि इस आदेश को रद्द करके याची इंस्पेक्टर को 28 मई 1997 तथा 9 जनवरी 2018 के शासनादेशों के क्रम में उसे डिप्टी एसपी बनाया जाए तथा उसके सीलबंद लिफाफे को खुलवाया जाय। इंस्पेक्टर के प्रमोशन को जौनपुर में तैनाती के दौरान दर्ज एक 302 के मुकदमे में आरोप पत्र दाखिल होने के आधार पर इन्कार किया गया था। याची के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 217, 218, 20, एवं 120 बी के तहत चार्जशीट दाखिल हुई थी। याची इंस्पेक्टर की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का तर्क था कि आरोप पत्र के आधार पर क्रिमिनल केस की अगली कार्रवाई पर इलाहाबाद हाईकोर्ट से रोक लगी हुई है। बहस की गई थी कि केस लंबित होने के बावजूद याची को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देकर वर्ष 2006 में दरोगा से इंस्पेक्टर बनाया गया। याची का सर्विस रिकॉर्ड बेदाग है और कभी भी विभागीय कार्यवाही नहीं की गई है। कोर्ट ने याची के अधिवक्ताको सुनने के बाद नीरज की केस में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को आधार बनाते हुए निर्देश दिया कि एसीएस होम का आदेश 12 अगस्त 2021 निरस्त किया जाता है।

रेल यात्रियों को 5 रुपये में फिर मिलेगा एक लीटर शुद्ध पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़, इटावा आदि रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को एक बार फिर से सस्ती दरों में शुद्ध पानी उपलब्ध होगा। यात्रियों को पांच रुपये में एक लीटर और एक रुपये में 300 एमएल पानी मिलेगा। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा वर्ष 2015 में ही प्रयागराज मंडल के सभी प्रमुख रलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन लगाई गईं। जंक्शन पर आठ वाटर वेंडिंग मशीनों के माध्यम से यात्रियों को सस्ती दरों में पानी मिलता रहा, लेकिन कोरोना की वजह से 2020 में जंक्शन समेत एनसीआर के सभी रेलवे स्टेशनों पर लगी वेडिंग मशीनें बंद हो गईं। इस वजह से यात्रियों को मजबूरी में बोतल बंद पानी खरीदना पड़ रहा है।

एक साल बाद भी किसानों की मांगें पूरी नहीं हुई: त्यागी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष व प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव संगठन एवं सदस्य संयुक्त किसान मोर्चा के ललित त्यागी उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में अपर जिलाधिकारी प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें लखीमपुर हत्याकांड की एक वर्ष पूरा होने पर किसान यूनियन सहित संयुक्त किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के सहयोगी किसान संगठनों के समस्त सम्मानित पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अपनी अपनी तहसील एवं जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर संबंधित अधिकारी को मांगपत्र ज्ञापन सौंपा।

साथ ही किसानों ने अवगत कराया कि अपनी मांगों के लिए एक साल से अधिक समय तक दिल्ली की सीमाओं पर धरना दिया गया। इसके बाद किसान विरोधी तीन काले कानून वापस ले लिए गए। वहीं धरना खत्म कराने के समय सरकार ने किसानों की अन्य मांगों को भी मानने का आश्वासन दिया था। इनमें से कोई भी मांग अब तक

पूरी नहीं की गई है। ज्ञापन में लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या के आरोपी आशीष मिश्र के पिता गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी पर हत्या की साजिश का आरोप है, अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर गिरफ्तार किया जाए। शहीद किसानों को घोषित मुआवजा तत्काल प्रदान किया जाए। वहीं किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाए। इसके अलवा तेलंगाना जैसे कई राज्यों की तरह खेती के लिए उत्तरप्रदेश के किसानों को भी मुफ्त बिजली दी जाए।

दुर्गा अष्टमी के दिन महिलाओं ने किया धुनुचि डांस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाअष्टमी पर दुर्गा पूजा पंडालों की रौनक और बढ़ गई। आज जहां घर व मंदिरों में कन्या पूजन संग मां के महागौरी स्वरूप की आराधना की गई। वहीं शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में सुबह पुष्पांजलि, प्रसाद वितरण के बाद दोपहर में 3:36 से 4:24 बजे के बीच संधि पूजा की गई। निरालानगर स्थित रामकृष्ण मठ में विधि-विधान के साथ कुमारी पूजन की परंपरा निभायी गयी तो नवरात्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया गया।

सीएम योगी ने किया कन्या पूजन, मातृशक्ति के पखारे पैर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर आज सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरक्ष पीठाधीश्वर के रूप में नजर आए। मुख्यमंत्री ने महानवमी के दिन कन्या पूजन करते हुए मातृशक्ति के पांव पखारे, उनका तिलक किया और फिर उन्हें भोजन करवाकर उपहार दिए। कन्या पूजन के दौरान मुख्यमंत्री ने एक बटुक की भी पूजा की। गौरतलब है कि रविवार शाम से ही मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर में प्रवास कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने अष्टमी तिथि के अनुष्ठान और हवन को पूर्ण किया था। वहीं राजधानी लखनऊ में भी आज नवमी पर घरों और मंदिरों में कन्या पूजन किया गया। बता दें कि शारदीय नवरात्र पर गोरक्षपीठ में शक्ति उपासना विशिष्ट होती है। नवरात्र की प्रतिपदा को गोरक्ष पीठाधीश्वर के रूप में मुख्यमंत्री ने विधि विधान से मंदिर के शक्तिपीठ में कलश स्थापना की थी।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने मैसूर पहुंचीं सोनिया गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए कर्नाटक के मैसूर शहर में पहुंच गई हैं। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्दरमैया ने मैसूर के मंडाकली एयरपोर्ट पर सोनिया का स्वागत किया। शिवकुमार ने बताया कि सोनिया गांधी छह अक्टूबर को कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगीं।

पदयात्रा छह अक्टूबर को जहां से भी शुरू होगी, वह उसमें शामिल होंगीं। राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी पांच अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचेंगे। वह भी छह अक्टूबर को भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल होंगे। शिवकुमार ने बताया कि राहुल गांधी ने दशहरा और नवरात्र के चलते दो दिन का ब्रेक लिया है। इसके अलावा, सोनिया गांधी के लिए भी वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। मौसम ठीक रहा तो वह मेदिकेरी में रुकेंगी, अन्यथा वह मैसूर में ही ठहरेंगीं।

राहुल गांधी व दीपक सिंह बने कांग्रेस कमेटी सदस्य

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) सदस्यों की सूची जारी कर दी गई। अमेठी संसदीय क्षेत्र से पीसीसी सदस्य बनाए गए लोगों में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के अलावा प्रियंका वाड्रा की करीबी रमाकांती विश्वकर्मा भी शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी इन दिनों प्रदेश संगठन को मजबूत करने में जुटी है। इसी कवायद के तहत प्रदेश व कई प्रांतीय अध्यक्ष बनाने के बाद सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के नाम भी फाइनल कर दिए गए। सोमवार दोपहर बाद अमेठी संसदीय क्षेत्र से पीसीसी सदस्य बनाए गए लोगों के नाम सार्वजनिक किए गए। यह सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने में भूमिका निभाएंगे। सूची में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे राहुल गांधी को भी अमेठी से पीसीसी सदस्य बनाया गया है। पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के अलावा विधानसभा गौरीगंज

से प्रत्याशी रहे मो. फतेह बहादुर, जगदीशपुर से प्रत्याशी रहे विजय पासी, सलोन से प्रत्याशी रहे अर्जुन पासी को भी जगह दी गई है। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष शुभम सिंह, पूर्व अध्यक्ष शकील इदरीसी व राजकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। विधानसभा चुनाव में अमेठी से टिकट मांग रहीं ममता त्रिपाठी के साथ सुनीता सिंह, किरन देवी निर्मल और शबीना खातून भी पीसीसी सदस्य बनाई गई हैं। शोभनाथ कोरी, धर्मराज बहेलिया और राम बरन मौर्य को भी शामिल किया गया है।

मिशन 2024 की तैयारी में चंद्रशेखर राव, दशहरा पर करेंगे राष्ट्रीय पार्टी के नाम का एलान!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नजरें अब 2024 में होने लोकसभा चुनाव पर हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति प्रमुख (टीआरएस) के प्रमुख चंद्रशेखर 5 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर अपनी राष्ट्रीय पार्टी के नाम का एलान कर सकते हैं। एएनआई के मुताबिक माना जा रहा है कि केसीआर दशहरा के मौके पर अपनी राष्ट्रीय पार्टी के नाम की घोषणा करेंगे। इससे पहले 5 अक्टूबर को ही तेलंगाना भवन में एक बैठक होनी है।

सीएम ऑफिस से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई है। कहा जा रहा है कि इसी बैठक के बाद केसीआर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एंट्री के बारे में जानकारी दे सकते हैं। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि टीआरएस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के लिए रवाना होगा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के नाम के एलान के बाद केसीआर 9 अक्टूबर को दिल्ली में जनसभा करेंगे। इस बारे में टीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी ने कहा कि एनडीए शासन चलाने में असफल हुआ है। ऐसे में देश की जनता मजबूत राष्ट्रीय दल की ओर देख रही है। रेड्डी ने आगे कहा, गुजरात मॉडल बुरी तरह फेल हो गया है। देश के लोग मजबूत विकल्प की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा इंतजार करिए और देखिये... सीएम केसीआर राष्ट्रीय पार्टी के नाम की घोषणा करेंगे। केसीआर के इस संभावित कदम को लेकर कांग्रेस ने हमला बोला है। तेलंगाना कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष और पूर्व सांसद मधु गौड़ ने कहा कि केसीआर का राष्ट्रीय पार्टी के गठन का फैसला बेतुका है। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को बेवकूफ बनाया और अब देश की जनता को बनाना चाहते हैं। यह उनकी नाकामियों को छुपाने और परिवार के सदस्यों को दिल्ली शराब घोटाले से बचाने की एक चाल है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए केसीआर विपक्ष को सिर्फ बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ही भाजपा मुक्त देश का विकल्प है। अगर केसीआर भी ऐसा ही चाहते हैं तो उन्हें कांग्रेस में आना चाहिए।

फोटो: 4पीएम

विजयदशमी की तैयारी विजयदशमी कल है। इससे एक दिन पूर्व राजधानी लखनऊ के डालीगंज इलाके में बड़ी संख्या में बिक रहे हैं रावण के पुतले।

पहल: विशेष सत्र में टूटेगी 100 विधायकों की चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला विधायकों के लिए एक दिन का विशेष सत्र आयोजित कर इतिहास रचने वाले यूपी विधानमंडल में एक और नई पहल होने जा रही है। ऐसे विधायक जिन्होंने 18वीं विधानसभा के बजट सत्र से लेकर मानसून सत्र तक चुप्पी साधे रखा, उनकी चुप्पी तोड़ने के लिए विधानसभा में एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने ऐसे सभी विधायकों का ब्योरा मांगा है जो दोनों सत्रों में एक बार भी अपनी बात नहीं रख सके हैं। ऐसे विधायकों के लिए शीतकालीन सत्र में एक विशेष सत्र रखा जाएगा। विधानसभा के सूत्रों के मुताबिक सत्ता पक्ष व विपक्ष के 100 से अधिक ऐसे विधायक हैं जिन्हें सदन में या तो बोलने का अवसर नहीं मिला या उन्होंने प्रयास ही नहीं किया। महाना का कहना है कि ऐसे विधायकों को अवसर देने के लिए ही नई पहल की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।